भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 188

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 6 दिसम्‍बर, 2013/15 अग्रहायण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**यूरिया की कमी**

188. श्री भगत सिंह कोश्‍यारी:

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान देश में यूरिया के उत्‍पादन, उपयोग और उपलब्‍धता का राज्‍य-वार/संघ राज्‍य क्षेत्र-वार ब्‍यौरा क्‍या है;

(ख) क्‍या यूरिया की कमी के कारण उत्‍तर प्रदेश व अन्‍य राज्‍यों में फसल उत्‍पादन पर बुरा असर पड़ा है;

(ग) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है तथा इस संबंध में उठाए गए सुधारात्‍मक कदमों सहित तत्‍संबंधी कारण क्‍या हैं; और

(घ) क्‍या सरकार ने ट्रेकिग प्रणाली में विक्रेताओं को आगे लाने के लिए यूरिया का मूल्‍य बढ़ा दिया है?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क):** पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान यूरिया के राज्‍य-वार उत्‍पादन पर एक विवरण **अनुलग्‍नक-I** पर है। पिछले तीन वर्षों और वर्तमान के दौरान आवश्‍यकता, उपलब्‍धता और बिक्री पर एक राज्‍य-वार विवरण **अनुलग्‍नक-II** पर है।

**(ख):** जैसा कि अनुलग्‍नक- II से देखा जा सकता है देश में यूरिया की उपलब्‍धता पर्याप्‍त है। अत: उत्‍तर प्रदेश और अन्‍य राज्‍यों में फसल उत्‍पादन यूरिया की कमी के कारण प्रभावित नहीं हुआ है।

**(ग):** प्रश्‍न नहीं उठता।

**(घ):** जी नहीं, सरकार द्वारा नियत यूरिया मूल्‍यों में 01.04.2010 से 31.10.2012 तक कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, 01.11.2012 से यूरिया के अधिकतम खुदरा मूल्‍य को प्रति मी.टन 50/- रुपए तक बढ़ाया गया है, जिससे यह बढ़कर 5360/- रुपए प्रति मी.टन हो गया है।

\*\*\*\*\*